भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *277

दिनांक 06 अगस्त, 2026 को उत्तरार्थ

.....

असम के जोरहाट जिले में बाढ़ प्रबंधन

***277. श्री गौरव गोगोई:**

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या केन्द्र सरकार ने असम के जोरहाट जिले में बार-बार आने वाली बाढ़ का संज्ञान लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन जल आपूर्ति तथा संदूषित जल स्रोतों के परीक्षण और शोधन सहित स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा असम राज्य सरकार के साथ समन्वय करके क्या उपाय किए गए हैं; और

(ग) क्या सरकार ने बार-बार आने वाली बाढ़ के दृष्टिगत जोरहाट जिले में बाढ़ नियंत्रण और अपरदन-रोधी मौजूदा उपाय पर्याप्त होने के संबंध में आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या सुधारात्मक उपाय किए जाने का विचार है?

उत्तर

जल शक्ति मंत्री

(श्री सी आर पाटील)

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

'असम के जोरहाट जिले में बाढ़ प्रबंधन' के संबंध में दिनांक 06.08.2026 को लोक सभा में उत्तर के लिए देय तारांकित प्रश्न सं. *277 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) से (ग): असम के जोरहाट जिले में लगभग प्रत्येक वर्ष अलग-अलग परिमाण की बार-बार बाढ़ का सामना करना पड़ता है।

कटाव-रोधी योजनाओं सहित बाढ़ प्रबंधन और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति के लिए योजनाएं संबंधित राज्य सरकारों द्वारा उनकी प्राथमिकताओं के अनुसार तैयार और कार्यान्वित की जाती हैं। भारत सरकार, राज्य सरकारों द्वारा किए जाने वाले प्रयासों में तकनीकी मार्गदर्शन और प्रोत्साहनात्मक वित्तीय सहायता द्वारा सहायता प्रदान करती है।

जल जीवन मिशन (जेजेएम) को देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को निर्धारित गुणवत्ता और नियमित और दीर्घकालिक आधार पर पीने योग्य नल के पानी की आपूर्ति प्रदान करने के लिए राज्यों के साथ साझेदारी में कार्यान्वित किया जा रहा है। जेजेएम 2.0 परिचालन दिशानिर्देश में प्राकृतिक आपदाओं और आपदाओं के दौरान पेयजल आपूर्ति से निपटने के प्रावधानों की परिकल्पना की गई है, और यह निर्धारित करते हैं कि:

(i) राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्रोत विविधीकरण, जलभृत पुनर्भरण और स्थानीय भंडारण प्रणालियों सहित जलवायु-अनुकूल उपायों को एकीकृत करते हैं। सूखे, बाढ़ और अन्य आपदा के दौरान निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक योजना में एक आपातकालीन सतत् योजना है।

(ii) आपात स्थिति और आपदाओं के दौरान, पेयजल आपूर्ति की सतत् सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जल जीवन मिशन के तहत जल गुणवत्ता निगरानी और निगरानी फ्रेमवर्क को प्राथमिकता के आधार पर सक्रिय किया जाता है। राज्य और कार्यान्वयन एजेंसियां जल गुणवत्ता परीक्षण की बढ़ी हुई आवृत्ति के साथ विशेष रूप से जीवाणु संदूषण के लिए जल स्रोतों और अवसंरचनाओं का तत्काल जोखिम मूल्यांकन करती हैं। सभी आपूर्ति बिंदुओं पर क्लोरीनीकरण सहित कीटाणुशोधन उपाय सुनिश्चित किए जाते हैं और वैकल्पिक स्वच्छ जल की व्यवस्था की जाती है जहां संदूषण का पता चलता है या प्रत्याशित होता है, जिसमें उन क्षेत्रों को भी शामिल किया जाता है जहां आपदा के कारण स्रोत और/या आपूर्ति प्रणालियां निष्क्रिय हो जाती हैं। ग्राम जल और स्वच्छता समितियों (वीडब्ल्यूएससी) को सामुदायिक स्तर की निगरानी और रिपोर्टिंग के लिए संगठित जाता है, जबकि जिला और राज्य प्रयोगशालाएं तेजी से परीक्षण और प्रतिक्रिया के लिए मिशन मोड में काम करती हैं। जल जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए

स्वच्छ जल प्रबंधन और उपयोग के संबंध में जनता को समय पर एडवाइजरी का प्रसार सुनिश्चित किया जाता है।

(iii) राज्य, प्राकृतिक आपदाओं या आंतरिक व्यवधानों से क्षतिग्रस्त जल आपूर्ति अवसंरचना को बहाल करने के लिए, राष्ट्रीय और राज्य डिज़ास्टर रिस्पॉन्स फंड का उपयोग करते हैं।

असम सरकार की पांच बाढ़ प्रबंधन परियोजनाओं को जोरहाट जिले में बाढ़ प्रबंधन और सीमा क्षेत्र कार्यक्रम (एफएमबीएपी) के तहत शामिल किया गया है और 3,430.11 लाख रुपये की केंद्रीय सहायता जारी की गई है।

इसके अतिरिक्त, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के अंतर्गत ब्रह्मपुत्र बोर्ड ने जोरहाट जिले को लाभान्वित करने के लिए ब्रह्मपुत्र मुख्य स्टेम, भोगदोई, झांजी, धनसिरी के मास्टर प्लान तैयार किए हैं और अन्य बातों के साथ-साथ अल्प, मध्यम और दीर्घावधि आधार पर बाढ़ प्रबंधन के लिए संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक दोनों उपाय शामिल किए हैं।

केन्द्रीय जल आयोग, असम में 32 बाढ़ पूर्वानुमान केन्द्रों (30 स्तरीय पूर्वानुमान केन्द्र और 2 अंतर्वाह पूर्वानुमान केन्द्र) की भी देखरेख करता है, जिनमें से एक बाढ़ पूर्वानुमान केन्द्र नामतः नीमाटीघाट जोरहाट जिले में ब्रह्मपुत्र नदी पर स्थित है।

*****